ANNEXURE -A

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA									
PERIODIC ASSESSMENT-II (2023-24) CLASS: X SUBJECT: HINDI (B)									
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER									
SL NO.	**CHAPTERS / UNITS**	**MARKS ALLOTTED IN SYLLABUS**	**1 MARK (MCQ/A&R)**	**2 MARKS (SA-I)**	**3 MARKS (SA-II) CBQ**	**5MARKS (LA-I)**	**4 MARK (L.A)**	**TOTAL MARKS**	**TOTAL NO. OF QUESTIONS**
	अपठित गद्यांश	10	1x10 =10	-	-	-	-	10	2
	व्याकरण	16	1x16 =16	-	-	-	-	16	4
	स्पर्श गद्य	13	1x7= 7	-	3x2= 6	-	-	13	3
	स्पर्श काव्य	13	1x7= 7	-	3x2= 6	-	-	13	3
	संचयन	6	-	-	3x2= 6	-	-	6	1
	लेखन	22	-	-	3x1= 3	5x3=15	4x1=4	22	5
G.TOTAL		**80**	**40**	**-**	**21**	**15**	**4**	**80**	**18**

ANNEXURE -B

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA

PERIODIC ASSESSMENT-II (2023-24) CLASS: X SUBJECT: HINDI (B)

QUESTIONWISE ANALYSIS

Q .No.	Chapters / Units	Forms of Question (MCQ, AR, SA-I , SA-II, LA, CBQ)	Marks Allotted	Typology of Questions (Knowledge (K), Understanding (U), Applications (A),Hots(H)&Skils(S)etc.)
1	अपठित गद्यांश	MCQ+AR	5	U+A
2	अपठित गद्यांश	MCQ+AR	5	U+A
3	पदबंध	MCQ	4	A
4	रचना के आधार पर वाक्य भेद व रूपांतरण	MCQ	4	A
5	समास	MCQ	4	A
6	मुहावरे	MCQ	4	A
7	स्पर्श काव्य	MCQ	5	U+K
8	स्पर्श काव्य	MCQ	2	U+K
9	स्पर्श गद्य	MCQ+AR	5	U+A
10	स्पर्श गद्य	MCQ	2	U+K
11	(**वर्णनात्मक** प्रश्न) स्पर्श गद्य	SA-II+CBQ	6	H+K
1	(**वर्णनात्मक** प्रश्न) स्पर्श काव्य	SA-II+CBQ	6	H+S
13	संचयन	SA-II+CBQ	6	H
14	अनुच्छेद लेखन	L.A-I	5	A
15	पत्र लेखन	L.A-I	5	A
16	सूचना लेखन	L.A	4	A

17	विज्ञापन लेखन	SA-II	3	A
18	ई-मेल/ लघु कथा लेखन	L.A-I	5	A

ANNEXURE –C

DAV PUBLIC SCHOOLS, ODISHA

PERIODIC ASSESSMENT-II (2023-24) CLASS: X SUBJECT: HINDI (B)

MARKING SCHEME

TIME ALLOWED: 3 HOURS MAX. MARKS: 80

Q. NO.	VALUE POINTS	MARKS ALLOTTED	PAGE NO. OF TEXT BOOK
1	(क) राजनीति (ख) जाति-व्यवस्था को ग) जाति-भेद का कटु स्वरुप मिट चुका था। (घ) राष्ट्र की दुर्दशा पर आँसू बहा रहे हैं। (ङ) कथन(A) सही है, किंतु कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।	1 1 1 1 1	N.A
2	क) व्यक्ति अज्ञान के अंधकार से निकलकर ज्ञान के प्रकाश में आता है। (ख) मनुष्य नैतिकता के पतन की ओर जा रहा है। (ग) केवल (i) और (ii) (घ) भारतीय शिक्षा पद्धति नीतियों से परिपूर्ण है। (ङ) जब वह मनुष्य के समुचित विकास का मार्ग अवरुद्ध करती है।	1 1 1 1 1	N.A
3.	(क) संज्ञा पदबंध (ख) क्रिया पदबंध (ग) विशेषण पदबंध (घ) सर्वनाम पदबंध (ग) क्रियाविशेषण पदबंध	1 1 1 1 1	N.A

4	(क) सरल वाक्य (ख) आप झूठ बोलते हैं, इसलिए आप झूठे हैं। (ख) जो विद्यार्थी परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है। (घ) साहसी व्यक्ति संकट में घबराते नहीं हैं। (ख) मज़दूर मेहनत करता है परंतु उसका लाभ उसे नहीं मिलता है।	1 1 1 1 1	N.A
5	(घ) तत्पुरुष समास (ख़) हाथ ही हाथ में (ख़) i और iii (ग) सात सौ दोहों का समाहार (ग) बहुव्रीहि समास	1 1 1 1 1	N.A
6	(ख) घी के दिए जलाए (ख) बहुत परिश्रम करना (ख) ईद का चाँद (घ) आँखों में धूल झोंककर (क) बाट जोहना **(घ) छिपकर आना**	1 1 1 1 1	N.A
7	(ग) परोपकारिता (क) किए गए उपकार को मानने वाला (ग) कृतज्ञता और आभार का (ख़) उदारता के भाव से (ग) ii, iii और iv	1 1 1 1 1	स्पर्श पृष्ठ संख्या- 20-21
8	(ख़) ईश्वर का नाम स्मरण करने से ही सच्चा ज्ञानी बना जा सकता है (ग) दर्पण से	1 1	स्पर्श पृष्ठ संख्या- 5, 27
9	(ग) उसे आशंका थी कि वामीरो आएगी या नहीं	1	स्पर्श पृष्ठ संख्या-

	(ख़) वामीरो से मिलने के लिए **(घ) कथन(A) और कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R), कथन (A) की सही व्याख्या करता है।** (ख़) तताँरा के लिए (ग) लोककथा	1 1 1 1	81
10	(क) केवल क (क) राजकपूर	1 1	स्पर्श पृष्ठ संख्या- 58,91
11	(क) रूढ़ियाँ और बंधन समाज को अनुशासित करने के लिए बनते हैं परंतु जब इन्हीं के द्वारा मनुष्य की भावनाएँ आहत होने लगे, बंधन बनने लगे और बोझ लगने लगे तो इसका टूट जाना ही अच्छा होता है। इस कहानी के संदर्भ में देखा जाए तो तताँरा -वामीरो का विवाह रूढ़ि के कारण नहीं हो सकता था। जिसके कारण उन्हें जान देनी पड़ती है। इस तरह रूढ़ियाँ किसी का भला करने की जगह नुकसान करती हैं। समयानुसार समाज में परिवर्तन आते रहते हैं और रूढ़ियाँ आडंबर प्रतीत होती हैं इसलिए इनका टूट जाना बेहतर होता है। (ख़) जुलूस के लाल बाज़ार आने पर भीड़ बेकाबू हो गई। पुलिस डंडे बरसा रही थी, लोगों को लॉकअप में भेज रही थी। स्त्रियाँ भी अपनी गिरफ़्तारी दे रही थीं। दल के दल नारे लगा रहे थे। लोगों का जोश बढ़ता ही जा रहा था। लाठी चार्ज से लोग घायल हो गए थे। खून बह रहा था चीख पुकार मची हुई थी फिर भी उत्साह बना हुआ था। स्त्रियों ने जुलूस में आगे बढ़कर मोन्यूमेंट पर झंडा फहराया और प्रतिज्ञा भी पढ़ी। अंग्रेज़ों ने महिलाओं पर बहुत अत्याचार किए और उन्हें गिरफ्तार कर जेल में बंद कर दिया ।	3 3	स्पर्श पृष्ठ संख्या- 82 स्पर्श पृष्ठ संख्या- 72

	(ग) तीसरी कसम फ़िल्म की कथा फणीश्वरनाथ रेणु की लिखी साहित्यिक रचना है। सैल्यूलाइड का अर्थ है कैमरे की रील। यह फ़िल्म भी कविता के समान भावुकता, संवेदना, मार्मिकता से भरी हुई कैमरे की रील पर उतरी हुई फिलम है।	3	स्पर्श पृष्ठ संख्या- 91-92
12	(क) मीरा के कृष्ण मोर मुकुट धारण किए हुए, पीताम्बर धारण किए हुए, गले में वैजन्ती फूलों की माला, हाथ में बाँसुरी लिए हुए गायों को चरते हुए मनमोहक रूप में दिखाई दे रहे हैं। मीरा बाई श्रीकृष्ण की चाकरी करना चाहती हैं । इससे उन्हें श्रीकृष्ण का नाम स्मरण करने का अवसर प्राप्त हो जाएगा तथा भावपूर्ण भक्ति रूपी जागीर भी प्राप्त हो जाएगी। इस प्रकार दर्शन, स्मरण और भाव भक्ति नामक तीनों बातें उनके जीवन में रच-बस जाएँगी। (ख़) पर्वत प्रदेश में पावस ऋतु में प्रकृति पल-पल अपना वेश बदलती रहती है। कभी घनघोर वर्षा होती है तो कभी विशाल पर्वत बादलों के पीछे छुप जाता है। पर्वत से गिरते झरने मोतियों की लड़ियों के समान दिखाई देते हैं। पर्वत के हृदय से उठकर ऊँचे-ऊँचे वृक्ष आकाश की ओर एकटक चिंतित होकर ऐसे देख रहे थे जैसे वे उनकी ऊंचाइयों को छूना चाहते हों। वे अपनी मन की आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। (ग) मनुष्यता कविता में कवि ने मनुष्य बनकर लोकहित के लिए कार्य करके अमर होने की बात कही है। कोई तभी मनुष्य कहलाता है जब उसमें मनुष्यता का गुण हो। मृत्यु अटल है परंतु जीवित रहते हुए यदि मनुष्य समाज और मनुष्यता के कल्याण के लिए कोई कार्य करे तो मरकर भी वह अमर हो जाता है।	3 3 3	स्पर्श पृष्ठ संख्या-10 स्पर्श पृष्ठ संख्या- 27 स्पर्श पृष्ठ संख्या- 20-21

13	(क) विद्यार्थियों को अनुशासन में रखने के लिए पाठ में दिखाया गया है कि उन्हें कठोर सज़ा दी जाती थी। यहाँ तक की उन्हें शारीरिक दंड भी दिया जाता था। बच्चों को इस प्रकार के दंड से शारीरिक और मानसिक यातनाएँ झेलनी पड़ती थी। वर्तमान समय में विद्यार्थियों को शारीरिक एवं मानसिक दंड देना अपराध की श्रेणी में आता है। उनकी मानसिक स्तिथि और स्तर का ध्यान रखते हुए उनको विषय का प्रायोगिक ज्ञान कराया जाता है। पुरानी पद्धति बिलकुल भी उचित नहीं थी। आज की शिक्षा विद्यार्थी केन्द्रित है जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके। (ख) हरिहर काका के परिवार वाले और मठाधीश दोनों ही उनके लिए काल-विकराल बन जाते हैं। इन दोनों ने हरिहर काका से 15 बीघे ज़मीन हथियाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाए तथा उन पर बहुत ज़ुल्म और अत्याचार किए। हरिहर काका एक ऐसे वर्ग का प्रतिनिधित्व कर रहे है जिसमे वृद्ध और असहाय लोगों को परिवार और प्रशासन की ओर से शोषण का शिकार बनना पड़ता है। वे चाहकर भी न्याय की अपेक्षा नहीं कर सकते। (ग) 1. कुशल अध्यापक- प्रीतमचंद कुशल अध्यापक थे। वे चौथी श्रेणी के बच्चों को फ़ारसी पढ़ाया करते थे। वे मौखिक अभिव्यक्ति और याद रखने पर बल देते थे। 2. कुशल प्रशिक्षक- वे एक कुशल प्रशिक्षक थे। वे बच्चों को स्काउट-गाइड की ट्रेनिंग दिया करते थे। उनके इस प्रशिक्षण कार्य से सभी प्रसन्न रहते थे । वे छात्रों द्वारा सही काम करने पर शाबाशी भी देते थे।	3 3 3	संचयन पृष्ठ संख्या-25 संचयन पृष्ठ संख्या -16-18 संचयन पृष्ठ संख्या-24-30

	3. कठोर अनुशासन प्रिय- प्रीतमचंद अनुशासन प्रिय होने के कारण कठोर अनुशासन बनाए रखते थे। 4. कोमल हृदयी- प्रीतमचंद बाहर से कठोर पर भीतर से कोमल थे। उन्होंने अपने घर में तोते पाल रखे थे वे उनसे बात करते और उन्हें भीगे बादाम भी खिलाया करते थे।		
14	तीन में से किसी **एक** विषय पर अनुच्छेद लेखन(लगभग 80–100 शब्द सीमा) • भूमिका - 1 अंक • विषयवस्तु - 3 अंक • भाषा - 1 अंक	5	N.A
15	दो में से किसी **एक** विषय पर पत्र • आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ - 1 अंक • विषयवस्तु - 2 अंक • भाषा - 1 अंक • प्रस्तुति - 1 अंक	5	N.A
16	दो में से किसी **एक** विषय पर सूचना (लगभग 80 शब्द सीमा) • औपचारिकताएँ - 1 अंक • विषयवस्तु - 2 अंक • भाषा - 1 अंक	4	N.A
17	दो में से किसी **एक** विषय पर विज्ञापन (लगभग 80-100 शब्द सीमा) • विषय वस्तु - 1 अंक • प्रस्तुति - 1 अंक • भाषा - 1 अंक	3	N.A
18	किसी **एक** विषय- लघुकथा अथवा ईमेल लेखन (लगभग 100 शब्द सीमा)	5	N.A

	• विषय वस्तु - 2 अंक • प्रस्तुति - 2 अंक • भाषा - 1 अंक		